राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल से बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय एवं डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति मिले

पटना, 27 अप्रैल 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन से राजभवन में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह एवं डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) के कुलपति डॉ॰ आर॰सी॰ श्रीवास्तव ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान अनौपचारिक विमर्श के अन्तर्गत बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह ने राज्यपाल को बताया कि उनका विश्वविद्यालय राज्य में वैसी गायें जो प्रजनन क्षमताहीन हैं एवं किसानों की फसलों को नुकसान पहुँचाती हैं, के परिपोषण हेतु गाँवों में 'अभयारण्य' विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पशु विज्ञान विश्वविद्यालय 'Embryo Transfer Technic (E.T.T.)' के जरिये 'भ्रूण प्रत्यारोपण' करते हुए देशी गायों के नस्ल–सुधार हेतु भी प्रयास कर रहा है। कुलपति डॉ॰ सिंह ने बताया कि अच्छे नस्ल के साढ़ों को पंचायतों में उपलब्ध कराने हेतु भी विश्वविद्यालय प्रयास कर रहा है। डॉ॰ सिंह ने बताया कि देशी नस्ल की गायों को पालने हेतु ग्रामीण पशुपालकों को प्रेरित किया जा रहा है। कुलपति ने राज्यपाल–सह–कुलाधिपति से कहा कि देशी नस्ल की गायें राज्य की जलवायु के अनुकूल हैं एवं उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अन्य की तुलना में काफी बेहतर है, इसलिये विश्वविद्यालय देशी नस्ल की गायों के परिपालन को विकसित करने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रहा है।

डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कुलपति डॉ॰ आर॰सी॰ श्रीवास्तव ने बताया कि मोतिहारी के पिपराकोठी एवं बेतिया के माधोपुर में 'गोवंश संवर्द्धन एवं संरक्षण केन्द्र' लगभग 40 करोड़ की लागत से स्थापित किए जा रहे हैं, जो राज्य में गोवंश की देशी नस्लों के विकास हेतु शोध कार्यों को अंजाम देंगे। ये केन्द्र गोवंश के संवर्द्धन एवं संरक्षण को लेकर हरसंभव प्रयास करेंगे ताकि राज्य में पशुधन–विकास को सुदृढ़ीकृत करते हुए दुग्ध–उत्पादन को और अधिक बढ़ाया जा सके।

राज्यपाल ने दोनों विश्वविद्यालय के कुलपतियों को गोवंश के विकास तथा राज्य में पशुधन एवं पशु संसाधनों के विकास हेतु पूर्ण तत्पर रहने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार की आर्थिक समृद्धि सतरंगी कृषि के विकास पर ही निर्भर है। श्री टंडन ने कहा कि खाद्यान्न–उत्पादन के साथ–साथ दुग्ध–उत्पादन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाना जरूरी है।

उक्त मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय के निदेशक शोध श्री रवीन्द्र कुमार एवं मत्स्य विशेषज्ञ डॉ॰ रमन कुमार त्रिवेदी भी उपस्थित थे।

.....